Need to save Akhnoor and adjacent villages from soil erosion by sanctioning of Rs. 55 crore by Ministry of Water Resources for construction of dam.

श्री जुगल किशोर शर्मा **(जम्मू):** सभापति महोदय, धन्यवाद ।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से जल संसाधन मंत्रालय का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र अखनूर, खौड़ और ज्योड़ियां की तरफ ले जाना चाहता हूँ, जहाँ पर एक बहुत बड़ा दरिया चिनाब है । दरिया चिनाब में जब भी बाढ़ आती है तो सारे क्षेत्र की कृषि योग्य भूमि बह जाती है । दरिया उसे बहाकर ले जाता है । अब हद इतनी हो गई है कि जब भी बाढ़ आती है या बर्फ पिघलने से दरिया का पानी बढ़ता है तो वह पानी गाँवों में घुसना शुरू हो गया है ।

महोदय, जो कृषि योग्य भूमि है, वह तो बह गई है, लेकिन अब गाँव बहने की कगार पर आ गए हैं । मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जो गाँव चिनाब दरिया की लपेट में आ रहे हैं, अगर हमने कोई ठोस कदम उन गाँवों को बचाने के लिए नहीं उठाया तो वे गाँव के गाँव बह जाएंगे और लोग बेघर हो जाएंगे ।

महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि अखनूर, गुर्गी, टकी, संग्रामपुर, मखियाला, चंचवा, देवीपुर, चक सिकंदर, गैर, बकौर और इसके अलावा कुछ छोटे गाँव भी हैं, जो दरिया चिनाब की लपेट में आ गए हैं । मेरी आपसे प्रार्थना है, देखिए पहले एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट बना था, लेकिन अब 55 करोड़ रुपये की लागत से वहाँ पर एक बांध बांधने की योजना बनी है ताकि उन गाँवों को बहने से बचाया जाए । यह 55 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट वन एवं जल संसाधन मंत्रालय में आया है । मेरी आपसे प्रार्थना है कि जल संसाधन मंत्रालय इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे और इस 55 करोड़ रुपये की राशि को रिलीज करे ताकि वहाँ पर एक बांध बनाया जाए और बांध बनाकर उन गाँवों को बहने से बचाया जाए । यह हमारे उस क्षेत्र के लिए एक बड़ी गंभीर समस्या है ।

मैं आपसे भी प्रार्थना करता हूँ, सदन से भी प्रार्थना करता हूँ और जल संसाधन मंत्रालय से भी प्रार्थना करता हूँ कि अखनूर के साथ-साथ लगने वाले जितने भी गाँव हैं, उन्हें बचाने का प्रयास किया जाए और यह 55 करोड़ रुपये की राशि इस प्रोजेक्ट के लिए मंजूर की जाए ताकि वहाँ पर एक अच्छा बांध बने और उन गाँवों को बचाया जा सके । धन्यवाद ।